Profession in Headlines...

पायनियर

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम की लेखा, वित्तीय प्रणाली को मजबूत करने में सहायता करेगा चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान

पायनियर संवाददाता < नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

इंस्टीट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया (आईसीएआई) तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की वित्तीय लेखा-जोखा एवं अंकेक्षण प्रणाली को और मज़बूत व्यवस्था तैयार करने के विषय में एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करेगा। संस्थान की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस पहल के तहत, आईसीएआई लेखा अनुसंधान प्रतिष्ठान (आईसीएआई एआरएफ) तिरुमाला के प्रसिद्ध वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर की लेखा-जोखा एवं वित्तीय प्रबंध व्यवस्था पर व्यापक शोध अध्ययन करेगा तथा इस विषय में व्यवस्था मजबूत करने के सुझाव प्रस्तुत करेगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आईसीएआई की स्ट्रेटेजी एंड पर्सपेक्टिव प्लानिंग एंड मॉनिटरिंग कमेटी (रणनीतिक एवं दीर्घकालिक योजना एवं निगरानी समिति) की तिरुपति में 5 अगस्त को आयोजित 16वीं बैठक में आईसीएआई ने अपनी पेशेवर विशेषज्ञता और रिसर्च क्षमताओं के ज़रिए) तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम जैसे संस्थानों को सहयोग प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस आयोजन के दौरा टीटीडी के अधिशासी अधिकारी मुद्दाडा रविचंद्र (आईएएस) ने आईसीएआई की केंद्रीय समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्य रूप से अकाउंटिंग सुधारों, फाइनेंशियल रिपोर्टिंग और गवर्नेंस के क्षेत्रों में आईसीएआई एवं टीटीडी के बीच आपसी सहयोग को मज़बूत करने पर विचार-विमर्श किया गया। विज्ञप्ति के अनुसार आईसीएआई केंद्रीय समिति के सदस्यों ने अन्य क्षेत्रों में भी सहयोग का दायरा बढ़ाने के लिए कई सुझाव दिए। आईसीएआई के अध्यक्ष प्रसन्ना कुमार डी ने कहा, ''आईसीएआई- टीटीडी की लेखा-जोखा रखने की नियमावली (जिस कार्य में चार्ट ऑफ़ अकाउंट्स भी शामिल होते हैं) की समीक्षा और उसे अद्यतन करने में टीटीडी को सहयोग प्रदान कर रहा है, ताकि इसे अकाउंटिंग के मौजूदा मानकों और विश्वस्तरीय सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं के अनुरूप बनाया जा सके। यह पहल ईआरपी-आधारित अकाउंटिंग प्रक्रियाओं को एकीकृत करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगी ताकि टीटीडी के तहत सभी संस्थानों में एकरूपता सुनिश्चित हो सके और वित्तीय प्रबंधन प्रणाली को मज़बूत बनाया जा सके।'' टीटीडी के रविचंद्र ने कहा, +हम आईसीएआई की सराहना करते हैं, जिन्होंने हमारे अकाउंटिंग और फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम को मज़बूत बनाने के लिए सहयोग दिया है।'' आईसीएआई को विश्वास है कि इस साझेदारी से टीटीडी के लिए आधुनिक और मज़बूत वित्तीय प्रबंधन व्यवस्था स्थापित करने में मदद मिलेगी, जो अकाउंटिंग के नए मानकों और व्यवस्था संचालन की ज़रूरतों के अनुरूप होगा।

समाज्ञा
हिन्दी दैनिक

आईसीएआई की पहल से पश्चिम बंगाल के 110 विधायकों ने सीखी सार्वजनिक वित्त प्रबंधन की बारीकियां

कोलकाता, समाज्ञा : इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने मंगलवार को कोलकाता स्थित अपने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पश्चिम बंगाल विधानसभा के सदस्यों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। स्ट्रेंथनिंग गवर्नेंस इन पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट: ए लेजिस्लेटिव पर्सपेक्टिव विषय पर आयोजित कार्यशाला में करीब 110 विधायक शामिल हुए। कार्यशाला में राज्य के बजट के विश्लेषण, सरकारी लेखांकन, वित्तीय अनुशासन, जिम्मेदारी और टिकाऊ वित्तीय प्रबंधन सहित सार्वजनिक वित्त से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। उद्घाटन सत्र में पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथींद्र बोस बतौर सम्मानित अतिथि उप-स्थित रहे। आईसीएआई अध्यक्ष सीए प्रसन्न कुमार डी, उपाध्यक्ष सीए मंगेश किनारे, पीजीएफएमसी चेयरमैन सीए हंस राज चुघ, वाइस चेयरमैन सीए अर्पित काबरा, सीसीएम सीए रवि कुमार पटवा, सीए संजीव सांघी और ईआईआरसी चेयरमैन सीए मयूर अग्रवाल भी मौजूद रहे। सीए प्रसन्न कुमार डी ने कहा कि आईसीएआई सार्वजनिक धन के पारदर्शी एवं प्रभावी उपयोग के लिए प्रतिबद्ध है। सीए मंगेश किनारे ने कहा कि संस्थान अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से बेहतर वित्तीय निर्णय, जवाबदेही और सुशासन को बढ़ावा देता रहेगा। कार्यशाला का समापन मजबूत वित्तीय समझ और विधायी निगरानी के जरिए पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुशासन सुदृढ़ करने के संदेश के साथ हुआ।

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

राष्ट्र निर्माण की रीढ़ माने जाते हैं सीए: आलोक शर्मा

सांसद ने सीए प्रोटेक्शन बिल लाने का दिया आश्वासन

कार्यक्रम में सांसद आलोक शर्मा ने उत्कृष्ट सीए को सम्मानित किया।

पीपुल्स संवाददाता • भोपाल
editor@peoplessamachar.co.in

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की डायरेक्ट टैक्सेस कमेटी की ओर से आयोजित एवं मध्य भारत क्षेत्रीय परिषद (सीआईआरसी) की भोपाल शाखा के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी वेयर जर्नी टू एक्सीलेंस बिगिन्स शनिवार से शुरू हो गई। एमपी नगर के एक मॉल में स्थित होटल में आयोजित संगोष्ठी में सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि सीए देश की अर्थव्यवस्था और राष्ट्र निर्माण की रीढ़ हैं। सीए बिरादरी के हितों की रक्षा और सुरक्षा पर सांसद ने संसद में सीए प्रोटेक्शन बिल लाने का आश्वासन दिया। संगोष्ठी में मध्य प्रदेश सहित देशभर से आए 600 से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं कर विशेषज्ञ शामिल हुए। इस अवसर पर आईसीएआई के अध्यक्ष सीए प्रसन्न कुमार डी, डायरेक्ट टैक्सेस कमेटी के उपाध्यक्ष सीए पंकज शाह, कॉन्फ्रेंस डायरेक्टर एवं पीडीसी अध्यक्ष सीए अभय छाजेड़ ने भी संबोधित किया।

न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों के ऐतिहासिक निर्णय विषय पर सीए कपिल गोयल ने प्रमुख न्यायिक फैसलों का सूक्ष्म विश्लेषण प्रस्तुत किया। वहीं फाइनेंस एक्ट 2026 के मुख्य बिंदु एवं आयकर अधिनियम संशोधन 2025 विषय पर सीए प्रमोद कुमार ने व्याख्यान दिया। वहीं टैक्स ऑडिट रिपोर्ट में सामान्य गैर-अनुपालन विषय पर सीए पंकज शाह ने ऑडिट प्रक्रिया की कानूनी बारीकियों से सदस्यों को अवगत कराया। सीए मुटरेजा ने बताया कि रविवार को दूसरे दिन अंतर्राष्ट्रीय कराधान, सर्च व सीजर, टैक्स प्लानिंग पर तीन अन्य महत्वपूर्ण तकनीकी सत्र आयोजित होंगे।

The Hans India
English Daily

CAs told to equip themselves with AI, Quantum Technologies

20-Point Programme Implementation Chairman Lanka Dinakar speaking at the 58th two-day conference of South Indian Regional Council of ICAI in Mangalagiri

HANS NEWS SERVICE
MANGALAGIRI

Lanka Dinakar states that Chartered Accountants are not merely professionals dealing with accounts, audit and taxation, but also custodians of financial discipline, transparency, accountability and good governance

CHARTERED Accountants must equip themselves with emerging technologies such as Artificial Intelligence (AI) and Quantum Computing to contribute effectively to the development goals of Viksit Bharat @2047 and Swarna Andhra Pradesh @2047, said Lanka Dinakar, chairman, Twenty Points Programme (Viksit Bharat-Swarna Andhra Pradesh) Implementation.

Addressing the closing session of 58th two-day Conference of South Indian Regional Council (SIRC) of ICAI at CK Convention in Mangalagiri late on Saturday, Dinakar said the CA profession had a crucial role in translating the visions of Prime Minister Narendra Modi and Chief Minister N Chandrababu Naidu into tangible outcomes.

He said Viksit Bharat @2047 was not merely a government programme but a national mission requiring the participation of every sector and professional community. Similarly, Swarna Andhra Pradesh @2047 aimed to transform the State into a prosperous, progressive, technology-driven and globally competitive economy.

Dinakar said Chartered Accountants were not merely professionals dealing with accounts, audit and taxation, but were also custodians of financial discipline, transparency, accountability and good governance. Their expertise could strengthen financial governance in government institutions, industries, MSMEs, start-ups, co-operatives and social-sector organisations.

Highlighting rapid technological changes, he said AI, Quantum Computing, Digital Finance, FinTech and Data Analytics were reshaping the financial and audit sectors. "The future Chartered Accountant cannot remain confined to traditional accounting and taxation practices. The profession must continuously evolve with emerging technologies while maintaining the highest standards of ethics, independence and public trust," he said.

He urged CAs to support business formalisation, improve tax compliance, strengthen corporate governance, facilitate responsible investment and mentor MSMEs and start-ups. In Andhra Pradesh, they could contribute to Ease of Doing Business, Ease of Compliance and Ease of Investment, he added. Dinakar congratulated ICAI-SIRC chairman Muppala Subba Rao, Yarra Tirupathaiah, Vijayawada Branch chairman Uppuluri Jayanth, Guntur Branch Chairman Rudravarapu Bharadwaj and their teams for organising the conference. He said the CA fraternity could play a decisive role in building a transparent, accountable, technology-enabled and globally competitive India and Andhra Pradesh by 2047.